प्रकाशन का 35 वां वर्ष

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

मिथिला वर्णन

वर्ष : 35 अंक : 46
पृष्ठ : 08
मूल्य : ₹ 2 मात्र

/mithilavarnan

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

शुभकामनाएं

'मिथिला वर्णन' के सभी सुधी पाठकों एवं शुभचिंतकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि 'मिथिला वर्णन' का अगला अंक रविवार, दिनांक 24 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होगा।

लोकतंत्र की बुनियाद और फर्जीवाड़े का खेल!

- विजय कुमार झा -

आज जब हम अपनी स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तो देश के उन असंख्य बलिदानियों को याद करना चाहिए, जिनके बल पर हमें यह आजादी मिली है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर नागरिक को समान अधिकार मिले और देश का शासन जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के हाथों में हो। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में, कुछ राजनीतिक दल सत्ता की लालच में इस सपने को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

हाल ही में बिहार में चल रहे मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जो विवाद उठा, वह इसी का एक उदाहरण है। चुनाव आयोग ने देश की सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि केवल भारतीय नागरिक ही मतदाता बनें। लेकिन, कुछ विपक्षी दलों ने इसे 'वोट चोरी की साजिश' बताकर न सिर्फ देश भर में हंगामा खड़ा कर दिया, बल्कि एक संवैधानिक संस्था की कार्यशैली को भी कटघरे में लाने की कोशिश की। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया है कि वह बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची में जिन 65 लाख लोगों का नाम काटा गया है, उसे मंगलवार तक जिला स्तर पर जारी करे। नाम के आगे डिलीट करने का कारण भी बताना होगा। इसके अलावा, कोर्ट ने

कहा है कि आयोग एसआईआर की प्रक्रिया के जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड को भी शामिल करे।

सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश बिल्कुल ही स्वागत योग्य है, क्योंकि किसी भी वैध मतदाता को उसके मताधिकार का उपयोग करने से वंचित करना भी कदापि उचित नहीं होगा। लेकिन, सबसे दुखद बात यह है कि विपक्ष के कुछ नेता अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड को नागरिकता का एकमात्र प्रमाण मानने पर जोर दे रहे थे। जबकि, यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है कि इन दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुआ है और इन्हीं के सहारे विदेशी घुसपैठियों ने देश में अपनी जड़ें जमाई हैं। झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार आदि कई राज्य इसके उदाहरण हैं, जहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों की जड़ें काफी मजबूत हो चुकी हैं। झारखंड के कई सीमावर्ती जिलों में तो घुसपैठियों की वजह से पूरी डेमोग्राफी बदल गई है। क्षेत्र की आबादी की संरचना में बहुत बड़ा जनसांख्यिकी परिवर्तन हो चुका है। झारखंड उच्च न्यायालय पहले ही इसे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बता चुका है।

ऐसे में स्वतंत्रता दिवस के ठीक पहले चुनाव आयोग के फैसले पर देश की सर्वोच्च अदालत ने जो टिप्पणी की है, उसने विपक्ष के इस फर्जीवाड़े के खेल का पदार्फाश कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि आधार या राशन कार्ड नागरिकता के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत की इस टिप्पणी ने चुनाव आयोग के पक्ष को मजबूत किया है और यह संदेश दिया है कि लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

कुल मिलाकर, यह सिर्फ एक कानूनी फैसला नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा का एक मजबूत संदेश है। यह हमें याद दिलाता है कि आजादी का सही अर्थ तभी है, जब हम अपनी संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास करें और देश की अखंडता और सुरक्षा को हर राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर रखें। आज के दिन, हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम घुसपैठियों तथा फर्जीवाड़े को संरक्षण देने वाली ताकतों को हराकर लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करेंगे। आप समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

जय हिन्द! भारत माता की जय!

स्वतंत्रता दिवस केवल जश्न मनाने का ही नहीं, वीर बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता-अर्पण का भी अवसर

डॉ. ए. एस. गंगवार
प्राचार्य, दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो।

देश की आजादी का यह 79वां उत्सव केवल स्वाधीनता की खुशियां मनाने का ही नहीं, अपितु उन असंख्य राष्ट्रपुरोधाओं के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने का भी अवसर है, जिन्होंने मां भारती को गुलामी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। यह दिन है उन सभी महापुरुषों और वीर-वीरांगनाओं को नमन करने का, जिनके कारण आज हम खुली हवा में सांसें ले रहे हैं। और, वास्तव में हम अपने देश के प्रति ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। यही उन बलिदानियों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वास्तव में. 200 वर्षों की ब्रितानिया दासता से मुक्ति भारतीय इतिहास की यात्रा में भयानकतम तूफान से कम नहीं थी। इस तूफान ने हजारों-लाखों को लील लिया और लंबे संघर्ष की बदौलत भारतरूपी किश्ती को हमारे वीर पुरोधाओं ने तूफान से बाहर लाने का काम किया। 15 अगस्त, 1947 को देश से ब्रिटिश साम्राज्य का अंत हुआ और हम आजाद हो सके।

बच्चे ही देश के भविष्य हैं। नवभारत एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय मूल्यों तथा अपने कर्तव्यों के प्रति दायित्व-बोध का विकास बेहद जरूरी है और इसमें शिक्षकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। बच्चे किस प्रकार राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो सकें और राष्ट्र-निर्माण में अपना योगदान दे सकें, इसके लिए शिक्षक वर्ग को मुखर होकर आगे आने की जरूरत है। किताबी ज्ञान के साथ-साथ उनके लिए ऐसा माहौल तैयार हो, जिससे उनमें राष्ट्रीय मूल्यों का विकास हो सके। इसके लिए विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक, वैचारिक, चारित्रिक, हर दृष्टिकोण से सकारात्मक विकास आवश्यक है और जब ऐसे बच्चे देश का भाग्य-विधाता बनेंगे, तो यकीनन सशक्त व समृद्ध भारत का सपना साकार हो सकेगा।

छात्र-छात्राएं देश की आजादी के पीछे के असंख्य बलिदान और संघर्ष को केवल एक कहानी के रूप में न समझें, बल्कि एक प्रेरणा के रूप में आत्मसात करें। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह जैसे महापुरुषों की जीवनी से वे प्रेरणा लें। सीख लें कि किस प्रकार इन पुरोधाओं ने देश की खातिर अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। किस प्रकार बचपन से ही वे राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें। जब देश का बच्चा-बच्चा देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत होगा और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे चलकर इस दिशा में कर्तव्य-निर्वहन करेगा, तो निश्चय ही समृद्धशाली राष्ट्र-निर्माण का सपना साकार हो सकेगा। संयोगवश, आज भारत इस समृद्धि की ओर सतत गतिशील है। भारत के युवा देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। खेल, तकनीक, विज्ञान सहित बुद्धिमता के हर क्षेत्र में आज भारतीय युवा देश का नाम अंतरराष्ट्रीय फलक पर रौशन कर रहे हैं। राष्ट्र-उत्थान का यह प्रयास हमें सतत बनाए रखना होगा, तभी हम विकसित देशों की कतार में सीना तान खड़े हो सकते हैं।

आइए, आज हम सब मिलकर यह प्रण लें कि हम सभी भारतवासी तन-मन-धन से देश की उन्नति, उत्थान तथा चतुर्दिक विकास हेतु प्रयत्नशील रहेंगे, ताकि आनेवाली पीढ़ियां हमेशा हमें याद रखें। यदि 19वीं शताब्दी ब्रिटेन की उपलब्धियों और 20वीं शताब्दी अमरीकी कूटनीति के लिए याद की जाती है, तो निःसंदेह 21वीं शताब्दी भारत के विकास, उपलब्धियों, विश्व बंधुत्व और मानवीय समृद्धि की गाथा गाएगी।

जय हिंद!

जय हिन्द का नारा उनका

जिसे गुलामी से नफरत हो,
आजादी से प्यार।
नस नस का हो खून गरम,
जो रहा हिलोरें मार।।

स्वाभिमान हो जिन्दा जिसका,
चुप हो बैठ नहीं सकता।
और घूँट अपमान का पीकर,
जिन्दा कैसे रह सकता?

ऐसे में कुछ और नहीं,
बस बचता एक डगर है।
कसना पड़ता कमर वीर को,
होता घोर समर है।।

राहों की बाधाओं का,
करना होता प्रतिकार।
कलम पकड़ने वाले,
कर में भी होती तलवार।।
कर्म धर्म सब देश की सेवा,
देश से महती प्यार।
उसे कहाँ निज जान की चिंता,
शीश कटाने को तैयार।।

रणभूमि में हरा शत्रु को,
युद्ध जीतकर आता है।
या फिर वीरगति को पाकर,
वह शहीद कहलाता है।।

कर गठित फौज आजाद हिन्द,
नेताजी भी रण-राह धरे।।
बढ़ चले हौसला साथ लिए,
जर्मन जापान थे साथ खड़े।।

कुछ भू भागों को करा मुक्त,
अपना था झंडा गाड़ दिया।
कुछ देशों से मान्यता प्राप्त,
गठित एक सरकार किया।

हिल गई हुकूमत अंग्रेजी,
रहने लगी थी डर डर कर।
अब और यहाँ शासन करना,
आसान नहीं रह गया डगर।।

हिम्मत कर के काश कि ,
तत्क्षण सारे जाग गए होते।
सिर पर रखकर पैर तभी ही,
गोरे भाग गए होते।।

"जय हिन्द" का नारा उनका,
गूँज रहा कण-कण में।
सदा ही जिन्दा रहेंगे,
नेताजी जन जन के मन में।।

सुधीर कुमार झा
कोलकाता

पन्द्रह अगस्त

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ -

सन् सैंतालिस दिन अन्हार से
भेल नभक रवि अस्त।
छारि देल सगरो घन बादरि
चौदहम राति अगस्त।।

भीजि गेल ई धरा रक्त सँ
बहल शोणितक धार।
मार मार कहि टूटि पड़ल
मचल सगर चीत्कार।।

सत्तालोलुप स्वार्थे डूबल
केलक देश केँ खण्ड।
मगन भेल गौरव सँ गारल
वक्ष मध्य ध्वज दण्ड।।

भारत फाटल तीन भाग मे
हिंद पाक आ बंग ।

हम भारतवासी भ' रहलहुँ
तदपि ने कखनहुँ संग।।

अंतस मे गद्दार जनमि पुनि
चाहय देशक फार।
सिंहासन पर टक्क लगौने
करय रिपुक व्योहार।।

आइ कथित नेता लूटय नित
कतहु जाय बरु देश।
भेल आइ आक्रोशित भारत
आतंकक परिवेश ।।

धर्म जाति मे फूट कराबय
भाइ भाइ के भिन्न ।
अपना मे सब रार केने आ
नेता केँ सुख निन्न ।।

त्राहि त्राहि क' रहलै जन मन
शासक बनलै मस्त।
आइ तदपि अछि ध्वजा वंदना
जय पन्द्रह दिवस अगस्त।।

बोकारो स्टील : भारत की आत्मनिर्भरता व सामरिक शक्ति का महत्वपूर्ण लौह स्तंभ

डी. के. वत्स

बोकारो : भारत को आत्मनिर्भर और सामरिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में, बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) सिर्फ एक उद्योग नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनकर उभरा है। यह संयंत्र न केवल देश की बढ़ती इस्पात उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, बल्कि लगातार नए-नए स्टील ग्रेड विकसित करके विभिन्न क्षेत्रों में भारत की निर्भरता कम कर रहा है और देश की सुरक्षा को मजबूत कर रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो बोकारो स्टील प्लांट की यह प्रगति 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। घरेलू स्तर पर महत्वपूर्ण और सामरिक सामग्रियों का उत्पादन करके बीएसएल भारत को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है, बल्कि विदेशी निर्भरता से भी मुक्ति दिला रहा है।

सामरिक सशक्तीकरण... युद्धपोतों को बनाया फौलादी

बोकारो स्टील प्लांट की सबसे बड़ी उपलब्धि देश की रक्षा और सुरक्षा में इसका निरंतर योगदान है। बीएसएल लंबे समय से भारतीय नौसेना की सामरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष डीएमआर 249ए ग्रेड स्टील का उत्पादन कर रहा है। यह स्टील नौसेना के युद्धपोतों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण घटक है, जो उन्हें मजबूत और सुरक्षित बनाता है। इस विशेष इस्पात का उपयोग हाल ही में कमीशन किए गए युद्धपोतों जैसे आईएनएस अनार्ला, आईएनएस अजय और आईएनएस निस्तार में बड़ी मात्रा में किया गया है। इतना ही नहीं, पूर्व में कमीशन किए गए कई प्रतिष्ठित युद्धपोत, जिनमें आईएनएस विक्रांत, आईएनएस विंध्यगिरि और महेंद्रगिरि शामिल हैं, भी बीएसएल के इसी विशिष्ट स्टील का उपयोग करके निर्मित किए गए हैं। यह विशेष इस्पात भारत की समुद्री सीमाओं को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीएसएल का यह योगदान यह दर्शाता है कि यह सिर्फ एक उद्योग नहीं, बल्कि देश की सामरिक शक्ति का एक अभिन्न अंग है।

कृषि से लेकर विद्युत क्षेत्र तक नवाचार का नया अध्याय

बोकारो स्टील प्लांट ने पिछले वित्तीय वर्ष में कई विशिष्ट स्टील ग्रेड विकसित करके अपनी नवाचार क्षमता का लोहा मनवाया है। इनमें 28एमएनबी5 ग्रेड विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसका उपयोग कृषि मशीनरी में होता है। यह एक उच्च-शक्ति और घिसाव-रोधी सामग्री है जो कृषि उपकरणों को अधिक टिकाऊ बनाती है। इसके अतिरिक्त, बीएसएल ने क्रोमियम युक्त 28एमएनसीआरबी5 ग्रेड स्टील भी विकसित किया है, जिससे इसकी अनुप्रयोग क्षमता और बढ़ गई है।

उच्च शक्ति वाले इस्पात की बढ़ रही मांग को किया पूरा

आजकल उच्च-शक्ति, कम-सिलिकॉन वाले हॉट-रोल्ड गैल्वेनाइज्ड स्टील की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए, बीएसएल ने ई350बीआर - एआई किल्ड स्टील विकसित किया है। यह विशेष इस्पात विद्युत संचरण लाइनों और संरचनात्मक खंडों में उपयोग होने वाले मोनोपोल के लिए आदर्श है। यह नवाचार भारत को महत्वपूर्ण औद्योगिक सामग्रियों के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भरता कम करने में मदद करता है।

गले की फांस बना स्मार्ट मीटर

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल में डीवीसी की स्मार्ट मीटर नीति प्रबंधन के लिए गले की फांस और स्थानीय जनता के लिए संभावित परेशानी तथा विरोध का कारण बन चुकी है। सड़क पर उनका आक्रोश उबाल बनकर सामने आ रहा है। नागरिक अधिकार मंच के बैनर तले गोविंदपुर के छह पंचायतों की जनता, पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, डीवीसी पेंशनर, यूनियन प्रतिनिधि और डीवीसी कर्मियों का जुटान गोविंदपुर डी पंचायत सचिवालय में हुआ। सचिवालय से हजारों की संख्या में महिला-पुरुषों का समूह, हाथों में डीवीसी और उसकी नीतियों के खिलाफ तख्ती व बैनर लेकर रैली की शक्ल में निकला। यह रैली झारखंड चौक, डीवीसी उच्च विद्यालय, डिग्री कॉलेज, डीवीसी अस्पताल मोड़, और रेलवे गेट होते हुए पावर प्लांट के मेन गेट पर पहुंची, जहां रोषपूर्ण प्रदर्शन और नारेबाजी की गई।

इसके बाद प्लांट गेट पर ही एक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डी पंचायत की मुखिया चंदना मिश्रा ने की। सभा को रिंकू सिंह, रामेश्वर साव, राजदेव सिंह, जोधन नायक, नवीन कुमार पाठक, आरएस पांडेय, श्रवण सिंह, मोतीलाल महतो, मंजूर आलम, जिप सदस्य शहजादी बानो, सुषमा कुमारी, सीमा देवी, संजय सिंह, मो शाहजहां, जगरनाथ राम, और मंच के संयोजक भरत यादव ने संबोधित किया।

सभी वक्ताओं ने एक स्वर में डीवीसी की नई स्मार्ट नीति सहित अन्य तुगलकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि डीवीसी प्रबंधन को जो कार्य जनहित में करना चाहिए, वह उसे करने की बजाय 'अनाप-शनाप' कार्य करवाकर स्थानीय औद्योगिक माहौल को अशांत कर रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि अगर प्रबंधन स्मार्ट मीटर की नीति वापस नहीं लेता है तो आगे और भी आंदोलन किए जाएंगे। जैसे कि पावर प्लांट और ऐश पॉन्ड का चक्का जाम करना, डीवीसी अधिकारियों के आवास का घेराव करना और उनका हुक्का-पानी बंद करना। विस्थापित नीतियों की भी आलोचना की गई। मंच का पावर प्लांट गेट पर प्रदर्शन, नारेबाजी और सभा का कार्यक्रम लगभग दो घंटे तक चला, और पूरी भीड़ वहीं जमी रही।

सुरक्षा के मद्देनजर, सीआईएसएफ के निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून, आरके शर्मा जवानों के साथ और स्थानीय थाना से सअनि बैजुन मरांडी गेट पर मौजूद रहे। लगभग दो घंटे बाद, डीवीसी के डीजीएम काली चरण शर्मा के निर्देश पर, डीजीएम विद्युत सुरजीत सिंह और जितेंद्र सिंह सभा स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारी नेताओं से आठ-सूत्री मांग पत्र लिया। मंच के सभी नेताओं ने डीजीएम विद्युत से समस्या का समाधान करने की अपील की, और ऐसा न होने पर आगे और भी आंदोलन करने की बात कही। धन्यवाद ज्ञापन विनीता प्रसाद ने किया।

कार्यक्रम स्कूलों में जन्माष्टमी उत्सव की धूम, नटखट गोपाल और रास बिहारी रूपों में लुभा रहे बच्चे

मोहे लागी लगन मनमोहन से... कान्हा की भक्ति के रंग में रंगी है इस्पातनगरी

इधर, दही-हांडी प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर स्थानीय चिन्मय विद्यालय में इंटर-हाउस दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों ने इस पारंपरिक उत्सव में जोश और उत्साह के साथ भाग लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य उनमें टीम भावना, साहस और सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करना था। इस रोमांचक मुकाबले में चारों हाउसों के छात्रों ने अपनी एकता और रणनीति का शानदार प्रदर्शन किया। अंत में, वायु हाउस की टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति और सहयोग से दही हांडी को तोड़कर विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया। विद्यालय की स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, सचिव महेश त्रिपाठी और प्राचार्य सूरज शर्मा ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया। छात्रों ने कृष्णोत्सव पर आधारित एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुति भी दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन भगवान कृष्ण के जयघोष और उत्सवमय वातावरण के साथ हुआ।

संवाददाता

बोकारो : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इस्पातनगरी बोकारो इन दिनों कान्हा की भक्ति में लीन है। एक तरफ जहां आस्था का माहौल है, मंदिरों में पूजा-पाठ और अनुष्ठान का दौर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न स्कूलों में भी जन्माष्टमी की धूम मची है। बच्चों के विशेष रूप-सज्जा और उनके मनमोहक अंदाज सबको लुभा रहे हैं। इसी कड़ी में डीपीएस बोकारो की दोनों ही इकाइयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राइमरी विंग में आयोजित विशेष एसेंबली में बच्चों ने मनमोहक रूप-सज्जा से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों को बखूबी प्रदर्शित किया। कोई नटखट गोपाल, कोई रास बिहारी, तो कोई लीलाधारी स्वरूपों में दिखा, जिनमें उनके बचपन का नटखटपन, संगीत के प्रति उनका प्रेम और एक दिव्य जन-रक्षक के रूप में उनकी भूमिका को दर्शाया गया।

मनमोहक मुस्कान लिए अधरों पर मुरली, माथे पर मोर-मुकुट और पीतांबर परिधानों में सजे बाल कृष्ण जहां सबको लुभाते रहे, वहीं राधा रानी के मनभावन रूप में छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से सबकी भरपूर सराहना पाई। बच्चों ने वासुदेव के रूप में कारागार में श्री कृष्ण के जन्म और भंवर पार कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की सुंदर झांकी दिखाई। वहीं, कृष्ण-सुदामा की दोस्ती का भी सुंदर मंचन कर अपनी मासूम अदाकारियों से उन्होंने सबकी वाहवाही पाई। इस उपलक्ष्य में कक्षा 2 से 5वीं तक के विद्यार्थियों ने सुंदर मटकी, बांसुरी और कृष्ण मुकुट बनाकर इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने चित्रांकन व अन्य कलाकृतियों के माध्यम से भी अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

इधर, सीनियर विंग में छात्राओं ने विशेष एसेंबली में मोहे लागी लगन मनमोहन से..., गीत की सुरीली प्रस्तुति से वातावरण में भक्तिरस घोल दिया। छात्रा आराध्या मिश्रा ने भगवान श्री कृष्ण और आज के परिप्रेक्ष्य से संबंधित सुंदर वक्तव्य प्रस्तुत कर सभी की प्रशंसा पाई। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। साथ ही, कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चे जहां अपनी समृद्ध संस्कृति व परंपरा से जुड़ते हैं, वहीं उनकी प्रतिभा में भी निखार आता है।

हफ्ते की हलचल

पीएम श्री विद्यालय में दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि

बोकारो : पीएम श्री एस एस +2 उच्च विद्यालय कसमार में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन कर झारखंड के महान नेता और दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय परिवार ने नम आंखों से उनके व्यक्तित्व, संघर्षों और जनता के प्रति उनके समर्पण को याद किया। प्राचार्य फारुक अंसारी ने शिबू सोरेन को एक ऐसे जननेता के रूप में याद किया, जो हमेशा आम जनता के कष्टों को दूर करने के लिए सक्रिय रहते थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए उनके आजीवन संघर्षों पर प्रकाश डाला। अंग्रेजी के वरीय शिक्षक डॉ. अवनीश कुमार झा ने छात्रों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मौके पर महाकांत झा, धनंजय कुमार और सीमा ठाकुर आदि ने भी अपने विचार रखे। अंत में एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

डीवीसी सीएसआर ने कराई महिलाओं की स्वास्थ्य-जांच

बोकारो थर्मल : डीवीसी सीएसआर की ओर से नावाडीह प्रखंड के उपरघाट स्थित नारायणपुर के सामुदायिक भवन में महिलाओं के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन डीवीसी अस्पताल की डीजीएम हेल्थ डॉ. संगीता रानी ने किया। उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए हेल्दी खानपान के महत्व पर जोर दिया। शिविर में डॉ. ऋतांकर चक्रवर्ती ने भी महिलाओं की जांच की। इस दौरान बीपी, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ-साथ स्त्रीजन्य रोगों की जानकारी दी गई। शिविर में कुल 160 महिलाओं की जांच की गई और उन्हें आयरन और विटामिन की दवाएं मुफ्त में दी गईं। इस पहल की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की।

मैथिलानियों ने मानव सेवा आश्रम में बांटीं खुशियां

बोकारो : प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति की सदस्याएं सेक्टर 5 स्थित मानव सेवा आश्रम गईं। यहां उन्होंने बच्चों को खाना खिलाया और उनके साथ बातचीत की। बच्चे काफी खुश नजर आ रहे थे। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा व सचिव आभा झा ने कहा कि समिति द्वारा सांस्कृतिक के साथ ही सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। आज मानव सेवा आश्रम के बच्चों से मिलकर काफी सुखद अनुभूति हुई। मौके पर समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा सहित किरण मिश्रा, अमिता झा, इन्दिरा झा, जयंती पाठक, पूनम झा, रीतू मिश्रा, मीरा राय, रुचि प्रेरणा आदि मौजूद रहीं।

गतका में डीपीएस चास के छात्रों ने दिखाए दमखम

बोकारो : डीपीएस, चास के खिलाड़ियों ने बोकारो गतका एसोसिएशन द्वारा एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिलास्तरीय प्रथम गतका प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 15 पदक जीतकर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन पदकों में 5 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं। विवेक महतो को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अंडर-11 आयु वर्ग पांचवीं कक्षा के रूद्र सिंह ने रजत और चौथी कक्षा के कौशलेंद्र, अंडर-14 आयु वर्ग में नौवीं कक्षा के प्रखर प्रत्यूष ने रजत और रिशु राज सिंह ने कांस्य, अंडर-17 आयु वर्ग में नौवीं के विवेक महतो और वैभव राज ने रजत तथा रिया कुमारी, दीपशिखा गुप्ता, जयप्रकाश नारायण, शौर्य राज साहा, और अनमोल कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किए। जबकि, अंडर-19 आयु वर्ग में नौवीं कक्षा के कुमार अक्षत ने रजत और राज आर्यन, पूर्वी कुमारी, तथा रिषभ देव ने कांस्य पदक जीते। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी एवं डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की।

बेहतर भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा जरूरी : डीसी

विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता में बेहतरी के लिए अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में शिक्षा विभाग, एमडीएम, समग्र शिक्षा के तहत जिले के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के वार्डन, सीआरपी, बीआरपी, बीईईओ एवं बीपीओ के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे उपस्थित थे।

बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालय संचालन, छात्राओं की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन योजना के संचालन एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही बैठक में माध्यमिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, एमडीएम योजना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, समग्र शिक्षा अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी ली गई।

कक्षाओं के सुचारू संचालन पर दें विशेष ध्यान

उपायुक्त श्री झा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किया जाय। मध्याह्न भोजन योजना की नियमित मॉनिटरिंग, छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, अधूरा भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने और शैक्षणिक सत्र के अनुसार गतिविधियों के क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समय पर उपस्थिति व कक्षाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, जिले में चल रहे शैक्षणिक नवाचारों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कार्यक्रम भी संचालित किए जाए।

सभी विद्यालयों में होंगे अब छात्रवृत्ति मंत्री

प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप लेने हेतु कल्याण विभाग द्वारा विस्तृत प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी विद्यालयों में छात्रवृत्ति मंत्री बनाने का भी निर्देश दिया। इसके लिए एक सप्ताह के अंदर इसकी रिपोर्ट भेजने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि सीएम स्कॉलरशिप में सभी विद्यालय को यह प्रमाण पत्र देना कि मेरे विद्यालय में सभी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति मिल चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर जिन विद्यार्थियों के बैंक खाता उपलब्ध नहीं है तो वैसे विद्यार्थियों जो कक्षा 01 से 08 तक के अभिभावकों के बैंक खाता में छात्रवृत्ति भेज सकते है, ताकि छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रख सकते है। साथ ही हर हाल में अगले माह सितम्बर, 2025 तक सभी बच्चों को स्कूल ड्रेस का पैसा उनके खाता में चला जाना चाहिए, ताकि वो बच्चे स्कूल ड्रेस सिलवाकर अक्टूबर से लगातार पहनकर आना अनिवार्य है।

पुस्तकों की समस्या दूर करें

पुस्तक वितरण के सम्बन्ध में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने आगामी 30 अगस्त, 2025 तक सभी बीआरपी सभी अपने अपने क्षेत्रांतर्गत सभी विद्यालयों में घूमकर पुस्तक का डीटेल ले फिर उक्त विद्यालय में ससमय पुस्तक उपलब्ध कराए। उन्होंने डीईओ को सभी बीआरपी को हर हाल में बकाया वेतन देने का निर्देश दिया। साथ ही डीईओ, डीएसई एवं अन्य जो भी विद्यालय भ्रमण करते हैं, उसकी भ्रमण रिपोर्ट डिटेल भेजें। बीआरपी एवं सीआरपी को विद्यालय भ्रमण करना अनिवार्य है। उन्हें हर हाल 20 स्कूलों का भ्रमण करना है।

हर पंचायत में होंगे मॉडर्न स्कूल

डीसी ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के हर पंचायत में एक मॉडर्न विद्यालय बनाना अनिवार्य है, जिसके तहत उक्त विद्यालय में सभी सुविधा उपलब्ध हो, जिसमें बिजली, पीने योग्य शुद्ध जल, खेलकूद की व्यवस्था, पर्याप्त शिक्षक, विद्यालय में पर्याप्त कमरे, बच्चों के लिए साफ सुथरे शौचालय, स्मार्ट बोर्ड, कम्प्यूटर, सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो। उसकी सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराए। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सभी बीआरपी को निर्देश दिया कि जिलेभर के जिस स्कूलों में जो भी समस्या है उसकी सूची 25 अगस्त 2025 तक दे। ताकि उक्त समस्या को दूर किया जा सके। एक पेड़, अपने मां के नाम कार्यक्रम के तहत आगामी 15 सितंबर, 2025 तक सभी बच्चों को एक पेड़ लगाना है। साथ ही पेड़ लगाते हुए फोटो खींचकर अपलोड करना है। बैठक के दौरान जिले के सभी कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के वार्डन, सभी सीआरपी, सभी बीआरपी, सभी बीईईओ एवं सभी बीपीओ सहित अन्य उपस्थित थे।

अपराध लूटपाट और मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा, मास्टरमाइंड समेत 5 गिरफ्तार

कटप्पा ने इसलिए मंटू को मारा !

संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस ने माराफारी के बांसगोड़ा में जुआ अड्डा पर लूटपाट और गुमला के एक युवक की हत्या के मामले में पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों ने पेटरवार की एक सरकारी शराब दुकान में भी लूट को अंजाम दिया था। यह जानकारी एसपी हरविंदर सिंह ने एक प्रेसवार्ता में दी। एसपी ने बताया कि 1 अगस्त की रात दो बाइकों पर सवार होकर अपराधी बांसगोड़ा स्थित जुआ अड्डा पहुंचे थे। उन्होंने देसी पिस्टल दिखाकर लूटपाट शुरू कर दी। इसी दौरान गुमला के मंटू दास ने उनका विरोध किया, जिसके बाद अपराधियों ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

इन अपराधियों ने पहले भी कई जुआ अड्डों पर लूट की घटनाओं को अंजाम दिया था, क्योंकि वहां शिकायत होने का डर नहीं होता था। लेकिन इस बार हत्या की वजह से वे पुलिस के रडार पर आ गए। इस मामले में आठ अपराधी शामिल थे, जिनमें से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मास्टरमाइंड बीरबल सिंह उर्फ कटप्पा (खेतको), शेखर कुमार उर्फ साहिल (झरिया, धनबाद), प्रमोद कुमार धर (जरीडीह, बारू), कृष कुमार (जरीडीह बाजार) और सूरजदेव सिंह उर्फ बटलर (खेतको) शामिल हैं। बाकी तीन फरार अपराधियों की तलाश जारी है।

हत्या के बाद एसपी के निर्देश पर मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया था। गुप्त सूचना और तकनीकी टीम की मदद से पुलिस ने इस गिरोह को पकड़ा। मास्टरमाइंड बीरबल पर जिले के विभिन्न थानों में आर्म्स एक्ट के आठ मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से दो देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, दो बाइक और अन्य सामान बरामद किए हैं। छापामारी दल में बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, माराफारी थाना प्रभारी मो. आजाद खान, बालीडीह ओपी प्रभारी आनंद आजाद और सेक्टर-12 थाना प्रभारी सुभाष कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

दिलों में देशभक्ति, हाथों में तिरंगा

संवाददाता

बोकारो : भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 26वीं वाहिनी, आईटीआई मोड़, चास, बोकारो की ओर से एक भव्य मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। कमांडेंट राजीव रंजन के निर्देशन में आयोजित इस रैली को सहायक कमांडेंट अरविंद कुमार ने हरी झंडी दिखाकर 26वीं वाहिनी मुख्यालय, चास से रवाना किया। रैली बोकारो के प्रमुख मार्गों जैसे जोधाडीह मोड़, महावीर चौक, धर्मशाला मोड़, बाईपास रोड, एयरपोर्ट रोड और झारखंड पुलिस लाइन से होते हुए वापस वाहिनी मुख्यालय आकर समाप्त हुई। अपने दिलों में राष्ट्रभक्ति का जज्बा और हाथों में तिरंगा लिए जवान वंदे मातरम और भारत माता की जय-जयकार करते हुए जिस सड़क से गुजर रहे थे, राहगीर सहसा रुक जा रहे थे और साथ में सैल्यूट करने से खुद को रोक न सके। रैली में सहायक कमांडेंट अरविंद कुमार, सहायक कमांडेंट सुबीर कुमार मंडल, निरीक्षक व जीडी राकेश कुमार राय सहित बटालियन के अन्य अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया। बोकारो थर्मल में सीआईएसएफ के जवानों ने भी बाइक रैली निकाली।

दामोदर घाटी निगम
बोकारो थर्मल ताप विद्युत केंद्र,बोकारो
स्वतंत्रता की गौरवमयी 78वीं वर्षगांठ पर बोकारो थर्मल सहित
सभी देश वासियों को हमारे संस्थान की
बधाई एवं शुभकामनाएं

सुशील कुमार अरजरिया
वरीय महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान
डीवीसी बोकारो थर्मल पावर प्लांट, बोकारो।
"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"

राष्ट्र-निर्माण के प्रति समर्पित
दामोदर घाटी निगम
चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र की ओर से
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

"हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान"

कार्यालय जिला परिषद, बोकारो
(शुभकामना संदेश)
15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) 2025 के शुभ अवसर पर अध्यक्ष/उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला परिषद, बोकारो परिवार की ओर से राज्य एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।
शताब्दी मजूमदार
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, बोकारो।
सुनीता देवी
अध्यक्ष
जिला परिषद, बोकारो।

समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल
सेक्टर-4/ई, बोकारो इस्पात नगर।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
सेल SAIL 50
स्थापना के 50 साल
50 YEARS OF INCORPORATION
स्वर्ण जयंती • SWARNA JAYANTI
बोकारो इस्पात संयंत्र

हर किसी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है सेल

पुत्रधर्म के साथ राजधर्म निभा रहे हेमंत

कहा - गुरुजी के दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि

अशोक मेहता

रामगढ़ : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन इन दिनों अपने पैतृक गांव नेमरा से राज्य का शासन चला रहे हैं। वे अपने दिवंगत पिता, दिशोम गुरु शिबू सोरेन, के श्राद्धकर्म की परंपराओं को निभाने के साथ-साथ, राजधर्म का भी पूरी निष्ठा से पालन कर रहे हैं। एक ओर, जहां वे अपने पारिवारिक दायित्वों को निभाते हुए गांव के शांत और सादगीपूर्ण माहौल में हैं, वहीं दूसरी ओर, वे राज्य के प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यों को लेकर पूरी तरह सक्रिय हैं। गांव में रहते हुए भी, मुख्यमंत्री ने प्रशासन पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी है। वे लगातार विभिन्न विभागों से आ रही फाइलों और प्रस्तावों पर आवश्यक निर्णय ले रहे हैं।

इसके अलावा, अधिकारियों से फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य में सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन बिना किसी रुकावट के चलता रहे। उनका यह कदम जनता के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है। एक व्यक्तिगत दुःख की घड़ी में भी, मुख्यमंत्री अपनी जिम्मेदारियों से विमुख नहीं हुए हैं। यह उनके नेतृत्व की परिपक्वता और जनसेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रमाण है। यह कहना गलत नहीं होगा कि नेमरा गाँव से भी झारखंड की सरकार पूरी तरह से सक्रिय है।

सुनीं जनसमस्याएं, समाधान का दिलाया भरोसा

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने न केवल लोगों की सांत्वना स्वीकार की, बल्कि उनसे विस्तार से संवाद भी किया। उन्होंने ग्रामीणों और प्रतिनिधियों की समस्याओं, स्थानीय विकास कार्यों से जुड़ी जरूरतों और शासन - प्रशासन से संबंधित मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल कार्रवाई हेतु निदेशित किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि आम लोगों की हर जायज समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीणों और आम नागरिकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि गुरुजी की विचारधारा के अनुरूप जनता की सेवा और उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

शोक संवेदनाओं का लगा है तांता

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से अपने पैतृक गांव नेमरा में स्मृति शेष- दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि और संवेदना प्रकट करने वालों का तांता लगातार लगा हुआ है। पूरे राज्य के कोने-कोने से हजारों की संख्या में लोग मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से मिलने पहुंचे। ग्रामीण, किसान, महिलाएं, युवा, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्ष, त्याग तथा जनसेवा के अमूल्य योगदान को याद किया। मुलाकात के दौरान लोगों ने भावुक होकर कहा कि गुरुजी ने अपने जीवन को सदैव समाज और राज्य की सेवा के लिए समर्पित किया। उनकी सादगी, ईमानदारी और संघर्षशीलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुजी के दिखाए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि गुरुजी के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास करती रहेगी।

आजादी की बाट जोह रहे कैमरून में फंसे प्रवासी मजदूर

पलायन का दर्द लिए चार महीने से मदद की आस में हैं 19 श्रमिक

संवाददाता

रांची/बोकारो : अफ्रीकी देश कैमरून में झारखंड के बोकारो और हजारीबाग जिले के 19 प्रवासी मजदूर फंसे हुए हैं। इनमें बोकारो के गोमिया प्रखंड के भी 7 मजदूर शामिल हैं। मजदूरों ने राज्य और केंद्र सरकार से सुरक्षित वतन वापसी की गुहार लगाई है। मजदूरों के अनुसार 11 लोगों को पिछले चार महीने से और 8 लोगों को दो महीने से कंपनी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। आर्थिक तंगी के कारण उनके सामने खाने-पीने और आवश्यक जरूरतों का गंभीर संकट है।

गोमिया प्रखंड से फंसे मजदूरों में चिलगो के प्रेम टुडू, सिबोन टुडू, कर्री खुर्द के सोमर बेसरा, पुराण टुडू, बड़की सिधाबारा के रामजी हांसदा, विरवा हांसदा, महेंद्र हांसदा शामिल हैं। इसके अलावा, नावाडीह प्रखंड पोखरिया के बबलू सोरेन हैं। वहीं, हजारीबाग विष्णुगढ़ आघनू सोरेन भेलवारा,खरकी के अशोक सोरेन, चेतलाल सोरेन, महेश मरांडी, रामजी मरांडी, लालचंद मुर्मू शामिल है, नेरकी के फूलचंद मुर्मू, बुधन मुर्मू, चानो जिबलाल मांझी, टाटीझरिया के छोटन बासके, राजेंद्र किस्कू है।

प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से ठोस कूटनीतिक पहल कर मजदूरों की सकुशल वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसने की यह पहली घटना नहीं है, इसलिए सरकार को राज्य में रोजगार सृजन पर जोर देकर मजदूरों के पलायन को रोकना चाहिए।

दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन के विकास के लिए केंद्र सरकार गंभीर

दरभंगा : दरभंगा में एयरफोर्स स्टेशन और एयरपोर्ट के विकास को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय है। स्थानीय सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर सौ करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का आग्रह किया है। इन योजनाओं में 50 करोड़ रुपये से बन रहे 50 आवासीय क्वार्टर, 20 करोड़ रुपये की लागत से बनी चारदीवारी और 25 करोड़ रुपये का एक अस्पताल शामिल है, जिनका उद्घाटन जल्द ही होगा। सांसद ने रक्षा मंत्री से एयरफोर्स स्टेशन परिसर में एक सैनिक भर्ती केंद्र, वायुसेना स्कूल को उच्च माध्यमिक स्तर तक अपग्रेड करने, फिजिकल फिटनेस स्कूल और मेकेनिकल ट्रांसपोर्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोलने की भी मांग की। इन परियोजनाओं से मिथिला और दरभंगा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

मखाना की खेती से बढ़ेगी किसानों की आय

सीतामढ़ी : डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में जलजमाव वाले अनुपयोगी क्षेत्रों को लाभदायक बनाने पर चर्चा की गई। इस बैठक में मखाना वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार ने अपनी विशेषज्ञता साझा करते हुए मखाना की खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी दी। डीएम ने इस पहल को आगे बढ़ाते हुए जिला कृषि पदाधिकारी शांतनु कुमार को एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। इस समिति में संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे जो जिले में मखाना की खेती की संभावनाओं का मूल्यांकन करेंगे। इसका उद्देश्य बर्बाद होने वाले जल क्षेत्रों का उपयोग कर किसानों की आय बढ़ाना है। बैठक के दौरान डॉ. अनिल कुमार को मिथिला की पारंपरिक पाग और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

मधुबनी में फांकीबाज सरकारी बाबुओं की अब खैर नहीं

मधुबनी : मधुबनी जिला प्रशासन ने सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक नई डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली शुरू की है। डीएम आनंद शर्मा के आदेश पर एक विशेष सेल बनाया गया है जो जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर के अधिकारियों पर नजर रखेगा। इस प्रणाली के तहत, प्रतिदिन 20 अधिकारियों को चुना जाएगा और उन्हें सुबह 10:15 बजे तक व्हाट्सऐप ग्रुप में अपनी जीपीएस लाइव लोकेशन भेजनी होगी। इनमें से 5 अधिकारियों से वीडियो कॉल के जरिए भी संपर्क किया जाएगा। जो अधिकारी अनुपस्थित पाए जाएंगे, उनके खिलाफ बिहार सरकारी कर्मचारी आचार नियमावली, 1976 के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इस कदम से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और काम समय पर पूरे होंगे, जिससे आम लोगों को लाभ मिलेगा।

मिथिला डायरी

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

मुमताज आलम
झामुमो दल के अल्पसंख्यक मोर्चा
उपाध्यक्ष, स्वांग,
गोमिया, बोकारो (झारखंड)।

समस्त भारतवासियों को 79वें
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आफताब आलम
अंचलाधिकारी, गोमिया,
बोकारो (झारखंड)।

समस्त देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक
सेक्टर- 4, बोकारो इस्पात नगर (झारखंड)।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

अंबिका खवास
पूर्व जिला अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, बोकारो।

सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

राजेंद्र कुमार चौधरी
अध्यक्ष, टुडल्स डेन
पब्लिक स्कूल गोमिया,
तेनुघाट रोड, बोकारो।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

शुभचिंतक
चास-चंदनकियारी रोड, बोकारो।

ओएनजीसी
ONGC
ONGC
ENERGY: Now AND Next
79वाँ
स्वतंत्रता दिवस
की ऊर्जापूर्ण शुभकामनाएँ
HAPPY
INDEPENDENCE
DAY
15 अगस्त 2025 | बोकारो

79वें स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं

डॉ. धीरेन्द्र करमाली
भीष्म मेमोरियल नर्सिंग होम
तेनुघाट रोड, गोमिया, बोकारो
(झारखंड)।

सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं

हाजी अब्दुल कादिर भाटी
सरपरस्त जामा मस्जिद,
आईईएल, गोमिया, बोकारो
(झारखंड)।

कसमार प्रखंड एवं बोकारो
जिले के निवासियों सहित
सभी देशवासियों को 79वें
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं!

प्रकाश कुमार महतो
समाजसेवी
मंजूरा, कसमार।

Dalmia
Bharat Limited

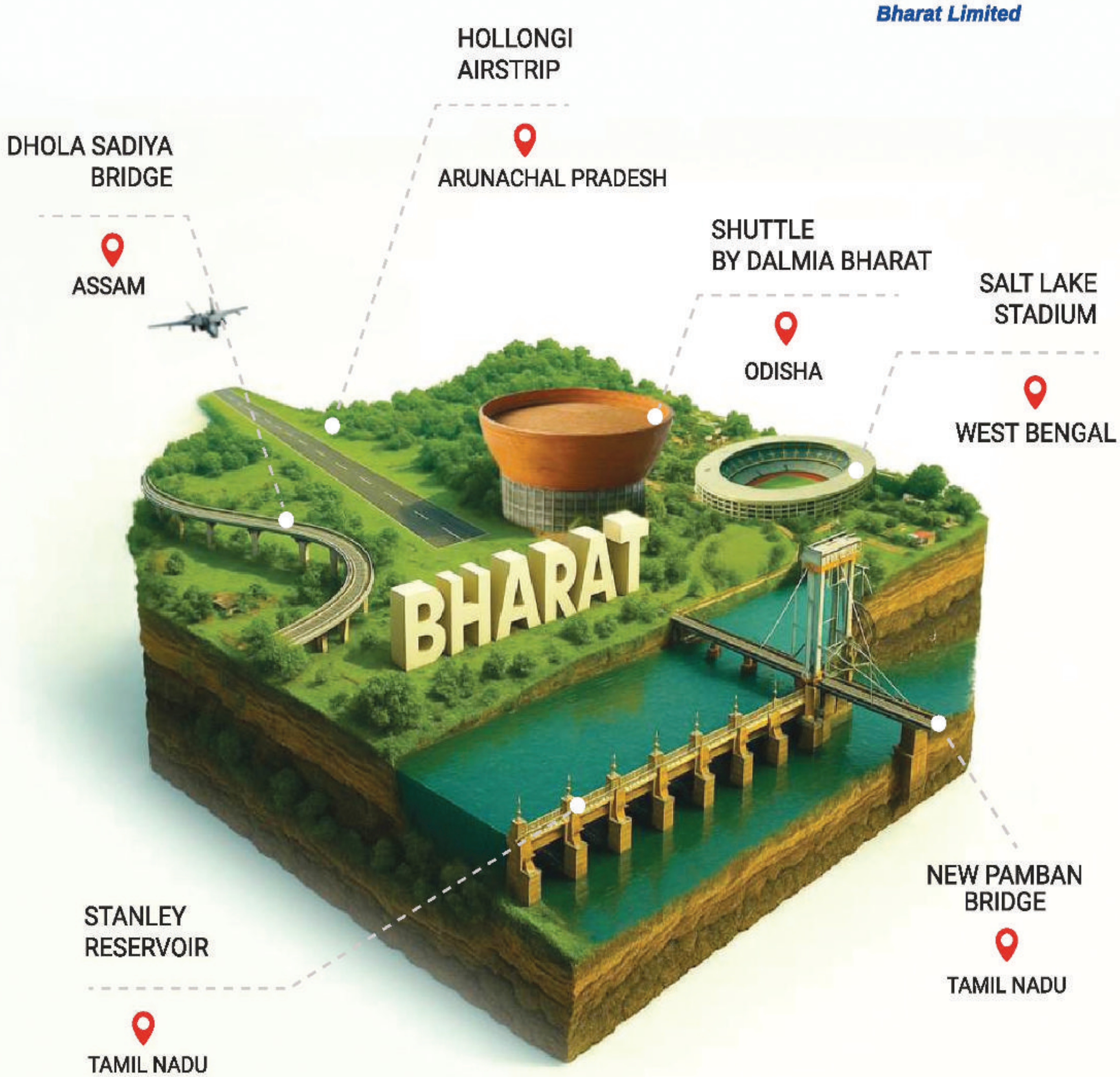

BUILT BY GENERATIONS
BUILT FOR
GENERATIONS

We commit to inspiring youth, promoting sustainability, and strengthening communities-building a legacy of pride, responsibility, and a greener tomorrow.

षोडश कला पूर्ण, कर्मशील व्यक्तित्व जगद्गुरु श्रीकृष्ण

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

भारतीय संस्कृति के इतिहास में कृष्ण जैसा अद्भुत व्यक्तित्व कोई दूसरा है ही नहीं। पूरे जीवन सामान्य पुरुष की तरह रहते हुए उन्होंने इतिहास की धारा बदल दी। आर्यावर्त में अधर्म का समूल नाश कर शुद्ध धर्म की स्थापना की। सबसे बड़ी बात उन्होंने जीवन में कर्म का सिद्धांत दिया। अपने जीवन में षोडश कलाओं को सिद्ध कर जीवन में स्थापित कर दिया। कृष्ण के नाम से आज समस्त विश्व परिचित है। जनमानस में जो कृष्ण की छवि है, वह उन्हें ईश्वर के रूप में प्रतिष्ठित करती है और उनके ईश्वर होने से अथवा उनमें ईश्वरत्व के होने से इनकार भी नहीं किया जा सकता। क्योंकि, इन कलाओं का आरंभ ही अपने आप में ईश्वर होने की पहचान है। फिर वह तो 16 कलापूर्ण देव पुरुष हैं। यहां पर 'हैं' शब्द का प्रयोग इसलिए किया गया है, क्योंकि दिव्य एवं अवतारी पुरुष सदैव मृत्यु से परे होते है। वे आज भी जन-मानस में जीवित ही हैं।

भिन्न-भिन्न स्थानों पर आज भी कृष्ण लीला, श्रीमद् भागवत कथा, रासलीला जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है और इन कार्यक्रमों के अंतर्गत श्री कृष्ण के जीवन पर तथा उनके कार्यों पर प्रकाश डाला जाता है। किंतु सत्य को न स्वीकार करने की तो जैसे परंपरा ही बन गई है। इसीलिए तो आज तक यह विश्व किसी महापुरुष का अथवा देव पुरुष का सही ढंग से आकलन ही नहीं कर पाया। जो समाज वर्तमान तक कृष्ण को नहीं समझ पाया, वह समाज उनकी उपस्थिति के समय उन्हें कितना जान पाया होगा, इसकी तो कल्पना ही की जा सकती है।

सुदामा जीवन पर्यंत नहीं समझ पाए कि जिन्हें वे केवल मित्र ही समझते थे, वह कृष्ण एक दिव्य विभूति हैं और उनके माता-पिता भी तो हमेशा उन्हें अपने पुत्र की दृष्टि से देखते रहे। दुर्योधन ने उन्हें हमेशा अपना शत्रु ही समझा। इसमें कृष्ण का दोष नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कृष्ण ने तो अपना संपूर्ण जीवन पूर्णता के साथ ही जिया। कहीं वे 'माखन चोर' के रूप में प्रसिद्ध हुए तो कहीं 'प्रेम' शब्द को सही रूप से प्रस्तुत करते हुए दिखाई दिए।

पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण : कृष्ण के जीवन में राजनीति, संगीत जैसे विषय भी पूर्ण रूप से समाहित हैं और वे अपने जीवन में षोडश कलापूर्ण होकर 'पुरुषोत्तम' कहलाए। जहां उन्होंने प्रेम, त्याग और श्रद्धा जैसे दुरूह विषयों को समाज के सामने रखा, वहीं जब समाज में झूठ, असत्य, व्यभिचार और पाखंड का बोलबाला बढ़ गया तो उस समय कृष्ण ने जो युद्ध नीति, रणनीति तथा कुशलता का प्रदर्शन किया, वह अपने आप में आश्चर्यजनक ही था।

कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान में जो ज्ञान कृष्ण ने अर्जुन को प्रदान किया, वह अत्यंत ही विशिष्ट तथा समाज की कुरीतियों पर कड़ा प्रहार करने वाला है। कृष्ण ने जो ज्ञान अर्जुन को दिया, वह अपने आप में प्रहारात्मक है और अधर्म का नाश करने वाला है। कृष्ण ने अपने जीवन काल में शुद्धता, पवित्रता एवं सत्यता पर ही अधिक बल दिया। अधर्म, व्यभिचार, असत्य के मार्ग पर चलने वाले प्रत्येक जीव को उन्होंने वध करने योग्य ठहराया, फिर चाहे परिवार का सदस्य ही क्यों ना हो और संपूर्ण महाभारत एक प्रकार से पारिवारिक युद्ध ही तो था।

कृष्ण ने स्वयं अपने मामा कंस का वध कर अपने नाना को कारागार से मुक्त करवाकर उन्हें पुनः मथुरा का राज्य प्रदान किया और निर्लिप्त भाव से रहते हुए धर्म की स्थापना कर सदा ही सुकर्म को बढ़ावा दिया।

कृष्ण का यह स्वरूप समाज सहज स्वीकार नहीं कर पाया, क्योंकि इससे उनके बनाए हुए तथाकथित धर्म, आचरण, जो कि स्वार्थ को बढ़ावा देने वाले थे, उन पर सीधा आघात था। समाज की झूठी मयार्दाओं को खंडित करने का साहस कृष्ण के बाद कोई दूसरा पुरुष नहीं कर पाया, क्योंकि जिस मार्ग पर कृष्ण ने चलना सिखाया, वह अत्यंत कंटकाकीर्ण तथा पथरीला मार्ग है और उस पर चलने का साहस वर्तमान तक भी कोई नहीं कर पाया। उन्होंने अपने जीवन में सभी क्षेत्रों को स्पर्श करते हुए वीरता को, कर्मठता को, सत्यता को विशिष्ट स्थान प्रदान किया।

योगविद्या का उपदेशक

कृष्ण ज्ञानार्जन हेतु संदीपन ऋषि के आश्रम में पहुंचे, तब उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण कर ज्ञान अर्जित किया। गुरु सेवा की, साधनाएं कीं और साधना की बारीकियों तथा अध्यात्म के नए आयाम को जन-सामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया। यह तो समय की विडंबना और समाज की अपनी ही एक विचारशैली है, जो कृष्ण की उपस्थिति का सही मूल्यांकन नहीं कर पाया।

श्रीमद भगवत गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जिस प्रकार योग विद्या का उपदेश दिया और उसकी एक-एक शंकाओं का समाधान करते हुए उसमें कर्तव्ययुक्त कर्म की भावना से जागृत किया, कृष्ण द्वारा दी गई योगविद्या, जिसमें कर्म योग, ज्ञान योग, क्रिया योग के साथ-साथ सतोगुण, तमोगुण, रजोगुण का जो ज्ञान दिया, उसी के कारण आज गीता भारतीय जन-जीवन का आधारभूत ग्रंथ बन गई है। इसीलिए तो भगवान श्री कृष्ण को योगीराज कहा जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण दिवस है और भगवान श्रीकृष्ण को षोडश कलापूर्ण व्यक्तित्व माना जाता है। जो व्यक्तित्व 16 कलापूर्ण हो, वह केवल एक व्यक्ति ही नहीं, एक समाज ही नहीं, अपितु युग को परिवर्तित करने की सामर्थ्य प्राप्त कर लेता है और ऐसे व्यक्तित्व के चिंतन, विचार और धारणा से पूरा जन-समुदाय अपने आप में प्रभावित होने लगता है।

भागवत में श्रीकृष्ण को ऐसा अवतारी माना गया है, जो भक्तों के वश में होते हैं। माता देवकी श्रीकृष्ण की स्तुति करते हुए कहती हैं- 'हे आद्य पुरुष! आपके अंश का अंशांश वह प्रकृति है, उसी के सत्वादि गुण-भाग परमाणु द्वारा इस विश्व की सृष्टि, स्थिति और लय आदि हुआ करते हैं। मैं आपकी शरण में हूं।' गीता में भी ऐसे भाव मिलते हैं। श्री कृष्ण कहते हैं -'मैं अपनी माया के एक अंश मात्र से इस जगत को व्याप्त करके स्थित हूं।' अथवा -'हे अर्जुन! इस विश्व में मुझसे परे कुछ भी नहीं है।'

इस तरह गीता तथा भागवत में श्रीकृष्ण को ज्ञान, भक्ति, बल, ऐश्वर्य, वीर्य और तेज- इन षड गुणों से सदैव संयुक्त माना गया है।

श्रेष्ठ समाज सुधारक

भगवान श्री कृष्ण का जीवन अलौकिक लीलाओं से परिपूर्ण आदर्श जीवन के साथ ही, श्रीकृष्ण में मानवता के सभी चरम और परम सद्गुणों का पूर्ण विकास था। वे गान विद्या और नृत्य कला के निपुण के ज्ञाता ही नहीं थे, वरन अपने काल के श्रेष्ठ समाज सुधारक भी थे। महान योगेश्वर तथा आदर्श राजनीतिज्ञ भी थे। उनकी राजनीतिक- कुशलता तथा मानवतावादी पवित्र राजनीतिज्ञता की कहीं कोई उपमा नहीं है। उनमें आदर्श, त्याग, न्याय, सत्य, दया, उदारता, यथार्थ, लोकहित तथा विलक्षण जन कल्याण का पूर्ण विकास है। उसमें कहीं भी व्यक्तिगत स्वार्थ, निम्न महत्वाकांक्षा, अभिमान, द्वेष, अधिकार- मद तथा भोग प्रधानता को स्थान नहीं है। गीता का सार यही है कि श्रीकृष्ण के दिव्य जन्म-कर्म को तत्वतः समझो। भगवान श्रीकृष्ण की आशा, आकांक्षा, मयार्दा, रुचि, प्रकृति और उपदेशों को पढ़कर, जानकर अपने जीवन में उन्हें उतारने का धैर्य पूर्वक प्रयत्न करना ही तत्वतः उनके दिव्य जन्म-कर्म को समझना है।

श्री कृष्ण को भगवान के साथ-साथ जगतगुरु भी कहा गया है और गुरु का तात्पर्य है देने वाला। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर केवल भक्ति ही नहीं, पूर्ण विधि-विधान सहित साधना संपन्न कर कृष्ण के जीवन चरित्र और गुणों को अपने भीतर उतारा जाए तो कोई कारण नहीं कि व्यक्ति जीवन में असफल हो। आवश्यकता है केवल दृढ़ निश्चय की, संकल्प की, विश्वास की, श्रद्धा की। इन चारों के साथ साधना करने पर साधना सफल होती ही है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता सहित समस्त भारतवासियों को मेरी ओर से

79वें स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं!

देव शर्मा

प्रदेश उपाध्यक्ष
झारखंड युवा कांग्रेस
-सह- केन्द्रीय अध्यक्ष,
युवा लायंस फोर्स।

बेरमो, बोकारो व झारखंड सहित सभी देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं।

अनिल अग्रवाल

प्रदेश अध्यक्ष
अग्रवाल कल्याण महासभा, झारखंड।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बुद्ध नारायण यादव

जिलाध्यक्ष
राजद, बोकारो (झारखंड)।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

समस्त भारतवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

शिवम हॉस्पीटल

मेडिक्लेम कार्ड के द्वारा

मोतियाबिन्द का ऑपरेशन

एवं लेंस लगाया जाता है

E-2, Laxmi Market, Sector-4, B.S. City-827004
Ph No. : 06542-232623, 7488090631

मादक द्रव्यों का व्यसन और देश की युवा पीढ़ी का भटकाव

विश्लेषण
- बी. कृष्णा नारायण

भारत की युवा शक्ति वर्तमान समय में दोराहे पर खड़ी है। एक ओर आधुनिकता का आकर्षण, दूसरी ओर भीतर का शून्य। इसी द्वंद्व में वह आकृष्ट होती है मादक द्रव्यों, नशीली वस्तुओं और आत्मविनाश की ओर। यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं, यह चेतना के पतन का संकेत है।

व्यसन की वास्तविकता:

अग्नि पुराण : राम, व्यसन के बारे में लक्ष्मण को बताते हुए कहते हैं कि - श्रेय (अभीष्ट अर्थ) को व्यस्त (क्षिप्त या नष्ट) कर देता है, इसलिए 'व्यसन' कहलाता है। अर्थात जो जीवन की दिशा को विनाश की ओर मोड़ दे, वह व्यसन है।
आज युवा पीढ़ी में मादक पदार्थों का सेवन केवल एक आदत नहीं, अपितु अवचेतन मन में जमी हुई हीनता, असुरक्षा, आत्मकेन्द्रितता, और उद्देश्यहीनता की परिणति है। तनाव, संघर्ष, और असंतोष जैसी मानसिक स्थितियां व्यक्ति को व्यसन की ओर प्रेरित करती हैं। पर समाधान क्या है? क्या केवल चिकित्सा, परामर्श या सामाजिक अभियान पर्याप्त हैं? उत्तर है - नहीं।
जब तक भीतर से आत्मसंयम और बोध का दीप न जले, तब तक कोई स्थायी समाधान नहीं। इसी दिशा में हमारे शास्त्र, विशेषतः रामचरितमानस और श्रीमद्भगवद्गीता, हमें व्यसन मुक्ति का न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, बल्कि मनोवैज्ञानिक गहराई से आत्म-प्रबंधन का उपाय भी बताते हैं।

रामचरितमानस में व्यसन और आत्मसंयम

गोस्वामी तुलसीदासजी, रामचरितमानस में राजा प्रतापभानु और रानी कैकेयी जैसे पात्रों के माध्यम से बताते हैं कि व्यसन केवल भौतिक पदार्थों तक सीमित नहीं, वह अहंकार, क्रोध, मोह और शक्ति-लिप्सा जैसे मानसिक विकारों का भी रूप ले सकता है।

रामचरितमानस: आत्मसंयम की दिशा

श्रीराम, लक्ष्मण को व्यसन के प्रकार और उसके प्रभाव

रामचरितमानस, भगवद्गीता और आत्मसंयम की चेतना

बताते हैं - मानुष व्यसन - इन्द्रियजन्य (जैसे शिकार), दैव व्यसन - भाग्य को दोष देना, कामज व क्रोधज व्यसन - वासनाजन्य व अहंकारजन्य आदतें।

तुलसीदासजी की दो दृष्टांत कथा:

(क) राजा प्रतापभानु - शिकार का व्यसन, भटकाव, विनाश।
(ख) रानी कैकेयी - श्रेष्ठता का व्यसन, मोह, राजपरिवार का टूटना।
यह बताता है कि व्यसन केवल भौतिक नहीं, मानसिक भी हो सकता है।

राम का आत्मसंयम उपदेश:

श्रीराम लक्ष्मण को समझाते हैं कि - मन को बुद्धि के अधीन रखना चाहिए, न कि इन्द्रियों के अधीन। सात्विक अभिमान (जैसे हनुमानजी का 'मैं राम का सेवक हूं' भाव) आत्मबल देता है, जबकि तामसिक अभिमान (जैसे कैकेयी का 'मैं श्रेष्ठ हूं') विनाश करता है। चित्तशुद्धि के लिए 'योग यज्ञ' अनिवार्य है। तभी अवचेतन संस्कार धीरे-धीरे परिवर्तित होते हैं।

भगवद्गीता: आत्मानुशासन से व्यसन मुक्ति

भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से स्पष्ट कहते हैं - 'उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्, आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः' (भगवद्गीता 6.5)
- 'मनुष्य को स्वयं ही अपने को ऊपर उठाना चाहिए। आत्मा ही आत्मा का मित्र है और आत्मा ही आत्मा की शत्रु।'
श्रीकृष्ण बताते हैं कि - प्रकृति और संस्कार (राग-द्वेष) व्यक्ति को बारम्बार भटकाते हैं। इन्द्रियों को जीतकर मन पर अधिकार पाने वाला ही 'योगरूढ़' बनता है। मन, बुद्धि, आत्मा की श्रृंखला में जो ऊपर की सत्ता से नीचे को नियंत्रित करे, वही मुक्ति का अधिकारी है।
'इन्द्रियस्येन्द्रियस्यार्थे रागद्वेषौ व्यवस्थितौ।
तयोर्न वशमागच्छेत्तौ ह्यस्य परिपन्थिनौ॥'
(गीता 3.34)
इस श्लोक में स्पष्ट कहा गया है - राग और द्वेष के अधीन होकर जीना आत्म-विनाश का मार्ग है। यह यात्रा बाहर से भीतर की है - इन्द्रियों से आत्मा तक। और यही गीता और मानस की संयुक्त प्रेरणा है।

आत्म-प्रबंधन द्वारा व्यसन मुक्ति के उपाय:

मानस के समाधान सूत्रः मन को बुद्धि के अधीन रखें, इन्द्रियों को संयमित करें, हनुमानजी की तरह सात्विक अभिमान रखें - 'मैं राम का सेवक हूं'। योग यज्ञ द्वारा चित्त शुद्ध करें, सदाचार और मर्यादा का पालन करें। यह प्रक्रिया अवचेतन विकारों को विघटित करती है- और चेतना के पुनर्निर्माण की ओर ले जाती है।

गीता के सात उपाय:

प्रकृति (संस्कारों) को जानना प्रारंभ करें, इन्द्रिय-मन-बुद्धि की कड़ी को उलटा करें - बुद्धि से मन को नियंत्रित करें। जीवन के लक्ष्य की स्पष्टता - आरुरुक्ष (आरंभिक योगाभ्यास) से योगरूढ़ बनने की यात्रा, मनोबल को गिरने न दें। विषयों से बचाव का अभ्यास करें: मन, बुद्धि, आत्मा की श्रेणीबद्धता को समझें और आत्मा में स्थित हों।
रामचरितमानस और गीता के सम्यक निर्देश अनुसार: मन पर नियंत्रण - ध्यान, जप, प्राणायाम द्वारा। संकल्प और सात्विक जीवनचर्या - संयम, दिनचर्या, सद्विचार। सत्संग और सेवा - अकेले न लड़ें, किसी आत्मीय मार्गदर्शक से जुड़ें। कर्तव्य और लक्ष्य की स्मृति - क्यों जन्म लिया है, यह स्मरण ही रक्षण है। गर्व नहीं, समर्पण - हनुमानजी की भांति सेवाभाव अपनाएं।

मूल की ओर लौटें

आज आवश्यकता है कि हम अपने भीतर के आत्मप्रकाश को जगाएं। मादक द्रव्यों का व्यसन केवल सामाजिक अपराध नहीं - यह आत्मा की पुकार है, जिसे अनसुना किया गया है। रामचरितमानस हमें संस्कारों की यात्रा कराता है। भगवद्गीता हमें चेतना का पुनरुद्धार सिखाती है। इस यात्रा की दिशा और समयबोध देता है।
ध्यान-साधना: व्यसन मुक्ति का आंतरिक उपाय
व्यसन मुक्ति हेतु Meditative अभ्यास:
श्वास जागरूकता अभ्यास (Prana-Awareness Meditation)
डिजिटल उपवास और आत्म-संवाद (Jouraling Therapy)
'मद-बोध' से 'स्व-बोध' की यात्रा (From intoxi-cation to awareness)
अब समय है मूल की ओर लौटने का। हर प्रकार के व्यसनों (दैव व्यसन छोड़कर) से मुक्त होकर आत्मा की निर्भय चेतना में स्थित होने का। तो आइए, मूल की ओर लौटें।
हर प्रकार के व्यसनों - चाहे वे पदार्थ हों या विचार - से मुक्ति पाएं और उस आनंद की ओर अग्रसर हों, जो केवल आत्मसंयम से प्राप्त होता है। मन को जीत लिया - तो सब कुछ जीत लिया।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् एवं विश्लेषक हैं।)

करी पत्ता: सिर्फ तड़के का स्वाद नहीं, सेहत का खजाना भी

भारतीय रसोई में करी पत्ता सिर्फ एक सुगंधित मसाला नहीं, बल्कि गुणों का खजाना है। इसका उपयोग सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में होता आ रहा है। करी पत्ता, जिसे मीठी नीम के नाम से भी जाना जाता है, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। यह सिर्फ हमारे भोजन का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि कई बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं कि यह हमारी सेहत के लिए किस तरह फायदेमंद है:

पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है

करी पत्ता पाचन के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद फाइबर और पाचन एंजाइम पेट की समस्याओं जैसे अपच, कब्ज और एसिडिटी को दूर करने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट कुछ ताजे करी पत्ते चबाने से पाचन क्रिया मजबूत होती है और पेट साफ रहता है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है

मधुमेह (डायबिटीज) के रोगियों के लिए करी पत्ता किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद यौगिक इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित करने और ब्लड शुगर को

कम करने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से करी पत्ते का सेवन करने से डायबिटीज को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

वजन घटाने में सहायक

अगर आप वजन कम करने की सोच रहे हैं, तो करी पत्ता आपकी मदद कर सकता है। यह शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। सुबह करी पत्ते को पानी में उबालकर पीने से वजन घटाने में तेजी आ सकती है।

बालों और त्वचा के लिए लाभकारी

करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन होते हैं जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं। यह बालों का झड़ना, असमय सफेद होना और रूसी की समस्या को दूर करने में भी सहायक है। करी पत्ते के पेस्ट को नारियल तेल के साथ मिलाकर लगाने से बाल स्वस्थ रहते हैं। इसी तरह, इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा को मुंहासों और संक्रमण से बचाते हैं।

आयरन और एनीमिया का इलाज

करी पत्ता आयरन और फोलिक एसिड का एक अच्छा स्रोत है। ये दोनों पोषक तत्व शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ सकता है।

- प्रस्तुति : आरके झा

स्वतंत्र भारत की अपेक्षाएं और चुनौतियां

- हरिओम -
बोकारो, झारखंड।

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्वतंत्रता के ७९वें वर्ष को, एक राष्ट्रीय त्यौहार को मना रहे हैं। यह एक गौरव का क्षण है। हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं, जो अपनी विविधता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। यह भी एक गौरव करने का विषय है। हमारी अनेकता में एकता पूरे विश्व के लिए हमारी वैश्विक पहचान है। हम सभी को इस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दो शब्दों के शाब्दिक अर्थ को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। पहला है स्व का बोध तथा दूसरा तंत्र के प्रति विश्वास। दोनों ही शब्दों से मिल कर बना है स्वतंत्र। स्वतंत्रता दिवस की ७९ वर्षगांठ पर एक नागरिक होने का कर्तव्य बोध होना अति आवश्यक है एक नागरिक ही एक राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई के रूप में एक राष्ट्र का प्रकटीकरण कर रहा होता है। एक नागरिक के तौर पर सामूहिक तथा व्यक्तिगत जीवन में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्ण रूप से पालन करना ही स्वतंत्र भारत का परिचय है।

आज अंतरजाल (इंटरनेट) को बने तीस वर्ष हुए आज ही के दिन विदेश संचार निगम के द्वारा वर्ष १९९५ में अंतरजाल आम जनों के लिए खोल दिए गए थे, जिसका परिणाम आज हम देख रहे हैं, अनुभव कर रहे हैं। आज यह एक बुनियादी सुविधाओं में से एक है। आज अंतरजाल का पहुंच लगभग प्रत्येक व्यक्ति तक है, परन्तु आज संचार क्रांति तथा आधुनिक युग में जहां दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक जाना मात्र कुछ घंटों का विषय होता है, मोबाइल का एक क्लिक भी आपको आभासी रूप से दुनिया के किसी भी कोने तक आपको पहुंचा सकता है, वैसे युग में भी सत्ता/ शासन की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं उस हिसाब से नहीं पहुंच सकी है, जिसकी अपेक्षा रही है। यह हम सभी के चिंतनीय है।

आज भी देश के कुछ हिस्सों में लोग दो समय का भोजन नहीं पाते। आज भी कुछ लोग सड़क पर सोने को विवश हैं। कृषि प्रधान देश में ६० प्रतिशत जनसंख्या आज भी ग्रामीण परिवेश में रहती हैं, जहां कृषि कार्यों के लिए समुचित व्यवस्था का अभाव है। आज भी हमारे देश के कुछ भागों में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है, वहीं, दूसरे किसी क्षेत्र में सुखाड़ की स्थिति है। आज भी देश के हिस्सों के किसान आत्महत्याएं करने को विवश हैं, तो कुछ किसान करोड़ों लागत की गाड़ियों से मात्र आंदोलन करने आते हैं।

आज भी कुछ राज्यों में विदेशी षडयंत्र के कार्यों को अंजाम देकर हमारी राष्ट्रीय अक्षुण्णता को खंडित करने का प्रयास किया जाना चिंता का विषय है तो कहीं हमारे भोले-भाले नागरिकों के अभावग्रस्त होने का लाभ विदेशों से आए चंदे द्वारा हमारे लोगों का धर्मांतरण के माध्यम से राष्ट्रांतरण करने जैसे कृत्य कर रहे हैं। सीमावर्ती राज्यों में हो रही घुसपैठ एक राष्ट्रीय सुरक्षा में चूक के साथ ही हमारी राष्ट्रीय संसाधन का दुरुपयोग जैसे विषय को संचालित कर रहे हैं, वहीं हमारे अपने कुछ भाई बंधु भी अज्ञानतावस इस प्रकार के राष्ट्रविरोधी शक्तियों का साथ दे रहे हैं। यह चिंता का विषय है।

दूसरी तरफ, कुछ लोगों को पीने योग्य जल नहीं, बिजली व्यवस्था प्रत्येक घरों तक नहीं, अभी भी कुछ बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा स्कूली शिक्षा में आना शेष हैं, कुपोषण मुक्त भारत बनना शेष है। स्वास्थ सुविधाओं को पहुंचाने का केंद्र सरकार ने बहुत ही अच्छी व्यवस्था बनाई है। आयुष्मान योजना के तहत जो कि संभवतः विश्व की सबसे बड़ी सामूहिक स्वास्थ बीमा है, क्योंकि हम जनसंख्या में भी विश्व में बड़े हैं, परन्तु उसके क्रियान्वयन पर अभी कार्य शेष हैं। निजी अस्पतालों द्वारा आमजनों के आर्थिक दोहन की घटनाएं घटित हो ही रही हैं। इसपर अंकुश लगाया जाना समय की मांग है, वहीं शिक्षा का बाजारीकरण भी चिंतनीय है। श्रमिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए आज भी संघर्ष जारी है। दूसरी ओर ९२ प्रतिशत असंगठित श्रमिक वर्ग का सबसे बड़े क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को उनका वास्तविक वेतन का नहीं मिलना भी एक चिंता का विषय है। वहीं, सामाजिक सुरक्षा तो दूर के विषय हैं, इनके लिए,खाद्य पदार्थों में मिलावट तथा आम जनों के स्वास्थ पर पड़ते प्रतिकूल प्रभाव को नियंत्रण में लाना शेष है। आज भी कुछ गांव ऐसे हैं, जिनका सीधा संपर्क प्रखंड मुख्यालयों तक नहीं, जहां मरीजों को आज भी खटिए पर ले जाना होता है, जहां पगडंडियां हैं, वहां पुल बनना शेष है तथा और जिस भी भौगोलिक क्षेत्र में हम अभी तक नहीं पहुंचे वहां पहुंचना भी अभी शेष है। मानवाधिकार के रक्षण के लिए कृत संकल्पित बुद्धिजीवी वर्गों को भी चिंतन कर निष्पक्ष कार्य करने की आवश्यकता है। जहां आज भी न्यायालयों में न्याय मांगने पीढ़ियां गुजर जा रही हैं। अभी भी कुछ सरकारी कार्यालय ऐसे जहां बिना रिश्वत के एक फाइल भी न बढ़े। कुछ विभाग ऐस हैं, जिनसे आज तक कोई लोक योजना कागजों से जमीन पर न उतर सकी, उनका भी वार्षिक बजट लाखों में है। जहां आज भी पेट्रोल डीजल तथा रेलगाड़ियों तक पहुंच से आम भारतीय दूर है, जहां आज भी कुछ क्षेत्रों में रोशनियों का पहुंचना शेष है तथा और भी बहुत कुछ शेष है, जिनकी चर्चाएं छूट रही हैं। इस लोगों के तंत्र लोकतंत्र में ये सब कुछ छूटना कहीं से भी लोकतंत्र के लिए उचित नहीं।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की बहुत बड़ी भूमिका होती है, जिनके जिम्मे है राष्ट्र के लिए नीतियां बनाना, उनके अंदर लोकतांत्रिक मूल्यों का होना तथा उसका क्रियान्वयन करना, भावनात्मक विषय से उठ तथ्यात्मक विषयों तक जाना भी अभी शेष है। भाषा, धर्म, क्षेत्र से ऊपर उठकर एक स्वच्छ राजनीति का होना भी अभी शेष है। जन प्रतिनिधियों का व्यक्तिगत जीवन श्रद्धेय स्व० लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन दर्शन में समाहित होना शेष है। समाजवादी श्रद्धेय लोहिया जी विचारों का आना भी अभी शेष है, लोकतांत्रिक मूल्यों में लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण के विचारों का आना शेष है, सुशासन से लेकर अंत्योदय के माध्यम से भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी के राजनीतिक दर्शनों का आना शेष है।

जिस प्रकार से हमारे लोकतंत्र में सांसदों और विधायकों की औसत आयु बढ़ रही है, वैसे में युवाओं के अंदर राजनीति के प्रति स्वच्छ मूल्यों के निर्माण समय की मांग है, ताकि लोकतंत्र का नेतृत्व सुरक्षित हाथों में रहे। राजनीति के स्तर को स्तरयुक्त बनाने वाले राजनेताओं का दलगत राजनीति से उठकर सम्मान करना समय की मांग है। अपने पड़ोसी राष्ट्रों के प्रति सजगता तथा राष्ट्रीय मूल्यों को केंद्रित संबंध रखना भी एक चुनौती पूर्ण कार्य है तथा इस बदलते एवं नित बढ़ते लोकतांत्रिक भारत में राजनीतिक रूप से जो सबसे बड़ी चुनौती है, वह भाषाई, क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, जातीय और दलगत विविधता को संभालना, जिसके लिए राष्ट्र के लिए अति आवश्यक है, ताकि वैश्विक मंचों पर एक भारत के रूप में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में दुनिया हमारा स्वरूप देखे। तभी वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों में एक राष्ट्र के रूप में हम अपने को स्थापित कर सकेंगे, जिससे कोई हमारे ऊपर उंगली भी उठाने से पहले विचार करे। तभी हम सही मायने में एक स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक कहने में अपना भी योगदान सुनिश्चित कर सकेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आजादी का पर्व : नए सपनों का संचार

हमारे देश के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो सिर्फ उसके आगे बढ़ने की यात्रा के मील के पत्थर ही नहीं होते, बल्कि भविष्य की सुनहरी उम्मीद की नींव भी होते हैं। आजादी की तारीख, 15 अगस्त 1947, एक ऐसी तारीख, जिस दिन देश ने सिर्फ आजादी का उजियारा ही नहीं देखा, बल्कि अपनी नियति के निर्माण की स्वतंत्रता भी हासिल की। यह प्रत्येक भारतीय को एक नई शुरूआत की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के जश्न की इस तारीख को देश की विकास यात्रा से जोड़ते हुए नए संकल्प की शुरूआत की। उन्होंने परंपराओं के नाम पर लंबे समय से हो रही रही व्यवस्थाओं को ही नहीं बदला, बल्कि आम बजट को एक महीने पहले पेश करने, 'गिव इट अप' आंदोलन के जरिए लोगों को गैस सब्सिडी छोड़ने के लिए प्रेरित करने जैसे जन-आंदोलन की भूमि तैयार कर आजादी के जश्न के नए मानदंड भी स्थापित किए।

लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त 2014 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ही बतौर प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया, जिससे इसका महत्व देश ने समझा। पीएम मोदी ने कहा था, 'मेक इन इंडिया' के लिए आगे बढ़ें। ऐसी वस्तु नहीं बनाएंगे, जिसमें डिफेक्ट हो, ताकि दुनिया के बाजार से वापस न आएं। ऐसी वस्तु बनाएंगे, जिसका पर्यावरण पर जीरो इफेक्ट हो या नेगेटिव इफेक्ट न हो।' मैन्युफैक्चरिंग पर अधिक जोर देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर समीक्षा के बाद मेक इन इंडिया 2.0 शुरू किया। देश की वित्तीय धारा से दूर गरीबों को वित्तीय धारा में लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य प्रत्येक भारतीय का बैंक खाता खोलना था। फिर जन-धन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति ने सीधे खाते में लाभ भेजने का रास्ता आसान बना दिया।

वर्ष 2015 में स्टार्ट-अप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया की घोषणा भी पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में की। आज एक लाख से अधिक स्टार्ट-अप के साथ भारत दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम वाला देश है तो स्टैंड-अप इंडिया में 60 लाख करोड़ रुपये से अधिक के लोन उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दिए गए हैं। 2016 में गरीबों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की गई थी। यह योजना 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को धुआं मुक्त रसोई प्रदान करने में एक बड़ा कदम साबित हुई है। आजादी के 70 वर्ष के बाद भी 18,000 गांव ऐसे थे, जहां बिजली नहीं थी, वहां बिजली पहुंचाई गई है। करोड़ों लोगों को अपना पक्का घर देने के वादे पर सरकार कदम आगे बढ़ा रही है और अभी तक 4 करोड़ से अधिक घर देकर प्रधानमंत्री के 'हाउसिंग फॉर ऑल' के सपने को पूरा किया जा रहा है।

यह विडंबना थी कि आजादी के 7 दशक बाद भी केवल 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में ही नल कनेक्शन थे। गांवों में एक बड़ी आबादी पारंपरिक स्त्रोत और गंदे पानी से होने वाली बीमारियों के बोझ तले दबी हुई थी। इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2019 को लाल किले की प्राचीर से 5 वर्ष में हर घर नल से जल पहुंचाने के संकल्प का ऐलान किया था। स्वतंत्रता दिवस 2015 पर लाल किले की प्राचीर से निचले ग्रेड की नौकरियों में साक्षात्कार समाप्त करने की घोषणा की। 1 जनवरी, 2016 से भारत सरकार ने सभी मंत्रालय, विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में समूह 'घ' और 'ग' के साथ समूह 'ख' (अराजपत्रित) व समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार खत्म कर दिया। भारत को 2047 तक एक ऊर्जा संपन्न राष्ट्र बनाने के लिए नेशनल हाइड्रोजन मिशन की घोषणा भी प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2021 को लाल किले की प्राचीर से ही की। **(साभार : पीआईबी)**

अपनी शक्ति से
अपने बंधन तोड़ों...
पल-पल स्वतंत्र बनों...
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सद्गुरुदेव नन्द किशोर जी श्रीमाली
निखिल-मंत्र-विज्ञान
Email:- nmv.guruji@gmail.com
facebook.com\nikhilmantraviyan.org
96023-34847
Ph.:- 9799988915, 9799988930, 9799988937, 9799988938
www.youtube.com/c/NikhilMantraVigyanofficial www.nikhilmantravigyan.org

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
रामवृक्ष मुर्मू (मुखिया)
सियारी पंचायत,
गोमिया, बोकारो (झारखंड)।

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रभाकर कुमार
कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग
तेनुघाट, बोकारो।

सभी भारतवासियों को 79वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं!
हिन्द इलेक्ट्रिक वर्क्स
नियर - गरगा ब्रिज, चास, बोकारो (झारखंड)।
संपर्क : 8987763400

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं!
नीरज चौधरी
महासचिव
मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो (झारखंड)।

समस्त भारतवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएं
महादेव
कुमार महतो
प्रखंड विकास पदाधिकारी,
गोमिया, बोकारो
(झारखंड)।

चास-बोकारोवासियों सहित सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!
कुमार अमरदीप
अध्यक्ष, गुड मॉर्निंग क्लब सह-
वरिष्ठ समाजसेवी, बोकारो।
उषा कुमार
पूर्व अध्यक्ष
चास रोटरी, बोकारो।

जय हिंद, जय हिंद की सेना
समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं!
राकेश मिश्रा
पूर्व प्रांतीय सचिव
अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद झारखंड।

'अमृत काल' में भारत... राष्ट्रपति ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पेश किया विकसित भारत का रोडमैप, कहा-

न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता लोकतंत्र के चार स्तंभ

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एक प्रेरणादायक और दूरदर्शी संदेश दिया। उन्होंने भारत की अब तक की यात्रा पर गर्व व्यक्त किया और 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति ने युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को देश की प्रगति के 'तीन स्तंभ' बताते हुए, आत्मनिर्भरता, सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त समाज पर विशेष जोर दिया।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरूआत स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की, जिनके बलिदान से देश को 78 साल पहले आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि भारत भूमि 'विश्व के प्राचीनतम गणराज्यों की धरती' रही है और इसलिए इसे 'लोकतंत्र की जननी' कहना बिल्कुल उचित है।

उन्होंने बताया कि हमारे संविधान ने सभी नागरिकों को मताधिकार देकर एक मजबूत लोकतांत्रिक नींव रखी, जो दुनिया के कई देशों में संभव नहीं था। राष्ट्रपति ने न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता को हमारे लोकतंत्र के चार स्तंभ बताया, जो हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांत हैं। उन्होंने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का उल्लेख करते हुए विभाजन के दर्द को भी याद किया और इतिहास की गलतियों के शिकार हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति ने भारत की आर्थिक प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में 6.5% की जीडीपी वृद्धि दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय सरकार के सुविचारित सुधारों, कुशल आर्थिक प्रबंधन और हमारे मेहनती किसानों, मजदूरों और उद्यमियों को दिया। राष्ट्रपति ने सामाजिक कल्याण योजनाओं की सफलता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सुशासन के कारण बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का जिक्र किया, जिसके तहत अब 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। इसके अलावा, जल जीवन मिशन और शहरी विकास के लिए शुरू किए गए 'अमृत' मिशन ने नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया है। उन्होंने जोर दिया कि विकास तभी सार्थक है, जब वह हाशिए पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और समाज में आय व क्षेत्रीय असमानताएं कम हों।

बुनियादी ढांचा, डिजिटल क्रांति और भविष्य की दृष्टि

राष्ट्रपति ने देश में हुए अभूतपूर्व बुनियादी ढांचा विकास की सराहना की। उन्होंने भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, रेलवे में नवाचार और कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली नई रेल लाइन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह इंजीनियरिंग का एक असाधारण उदाहरण है, जो कश्मीर में व्यापार और पर्यटन के नए द्वार खोलेगा। डिजिटल क्षेत्र में भारत की क्रांति को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि लगभग सभी गांवों में 4जी कनेक्टिविटी है, जिससे भारत डिजिटल लेनदेन में विश्व का अग्रणी देश बन गया है। राष्ट्रपति ने एंडिया-एआई मिशन को भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को 'ग्लोबल-एआई-हब' बनाना है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तकनीक का उपयोग आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा।

तीन स्तंभों पर टिकी प्रगति : युवा, महिलाएं और वंचित समुदाय

राष्ट्रपति ने कहा कि 'अमृत काल' में भारत की प्रगति तीन प्रमुख स्तंभों पर टिकी होगीः युवा, महिलाएं और लंबे समय से हाशिए पर रहे समुदाय।

युवा शक्तिः उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दूरगामी बदलाव लाने वाला बताया। उन्होंने शतरंज जैसे खेलों में युवाओं के वर्चस्व और शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को युवाओं के बढ़ते सपनों और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया।

नारी शक्तिः राष्ट्रपति ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को महिला सशक्तिकरण को यथार्थ में बदलने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, और रोजगार में जेंडर गैप कम हो रहा है।

हाशिए पर रहे समुदाय : उन्होंने कहा कि सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग जैसे समुदायों को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है, ताकि वे अपनी वास्तविक क्षमता हासिल कर सकें।

आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई और आत्मनिर्भर रक्षा

राष्ट्रपति ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए देश के 'फौलादी संकल्प' की बात कही। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को आतंकवाद के विरुद्ध एक निर्णायक कार्रवाई बताया, जिसने दिखा दिया कि हमारी सेना किसी भी स्थिति का सामना करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की सफलता का भी प्रमाण है, जहां हम अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर बन रहे हैं। अंत में, राष्ट्रपति ने सभी से पर्यावरण की रक्षा करने, भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेने और देश की एकता बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने हमारे सैनिकों, पुलिस बलों, न्यायपालिका और सिविल सर्विसेज के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

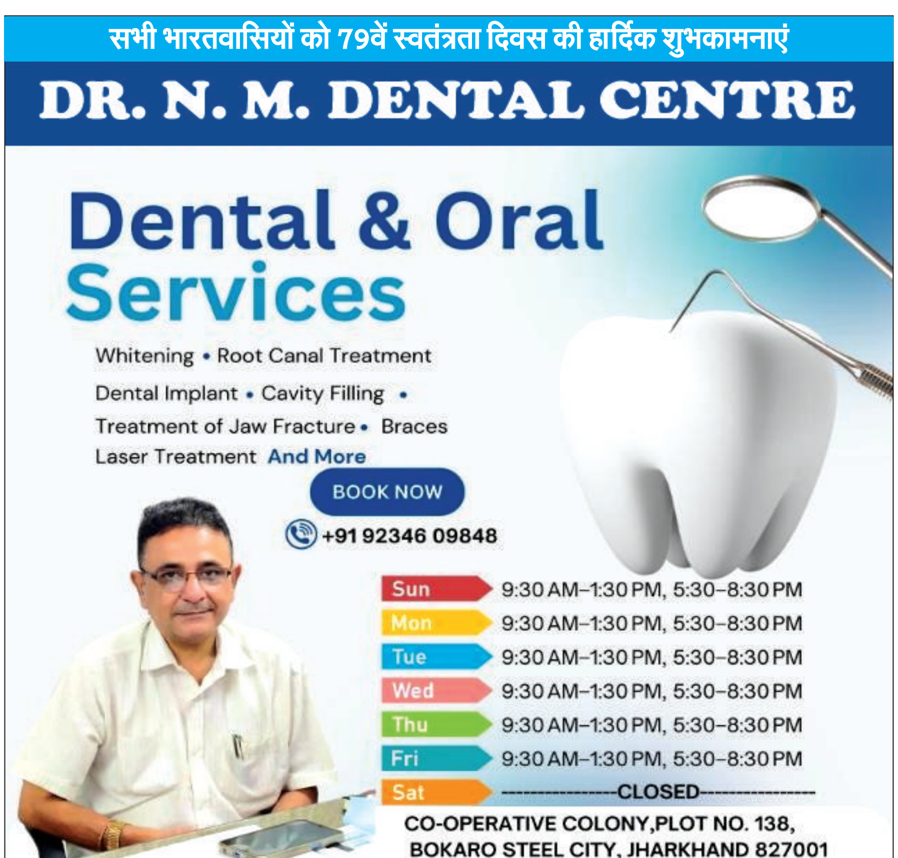

राष्ट्रध्वज का अपमान रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग

संवाददाता

बोकारो : हिंदू जनजागृति समिति ने 15 अगस्त के बाद सड़कों पर पड़े राष्ट्रध्वजों के अपमान को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। समिति ने बोकारो के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर इस पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। समिति का कहना है कि देशभक्त नागरिक बड़े सम्मान के साथ राष्ट्रध्वज फहराते हैं, लेकिन स्वतंत्रता दिवस के बाद यही झंडे सड़कों और नालों में पड़े मिलते हैं।

समिति ने इस बात पर खेद जताया कि न्यायालय के आदेश और प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कानून होने के बावजूद इसका पालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। समिति ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रध्वज का अपमान रोकने के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की थी।

इसके बाद केंद्रीय और राज्य गृह विभाग ने भी सर्कुलर जारी किए थे। समिति ने सरकार से प्रतीक और नाम (अनुचित उपयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1950 और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 का सख्ती से पालन कराने की मांग की है, ताकि राष्ट्रध्वज का सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान समिति के अमित तिवारी और राजेश कुमार सिंह मौजूद थे।

हिंदू जनजागृति समिति ने डीसी-एसपी को सौंपा ज्ञापन

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा*** प्रबंध संपादक : **कंचन झा,** दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

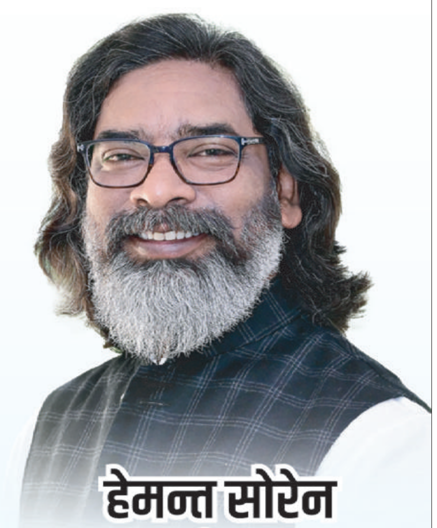

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

समस्त झारखण्डवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

स्वतंत्र भारत अपनी स्वतंत्रता के 79 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।
हमें यह सुखद अवसर प्रदान करने वाले समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को हमारा शत्-शत् नमन।

स्वतंत्रता आंदोलन में झारखण्डवासियों के अतुलनीय संघर्ष व बलिदान की गौरवगाथा को भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हें भी हमारा नमन।

jhargov.tv
पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण एवं अन्य चैनलों पर देखा जा सकता है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार